संख्या–190 /प0अ0/2004– 61पर्यटन/2004

प्रेषक,

एन0एन0प्रसाद,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग

देहरादूनः दिनांक 29 मार्च, 2004

विषयः– वित्तीय वर्ष 2003–04 में पर्यटन विकास की नई योजनान्तर्गत धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पर्यटन निदेशालय के पत्र संख्या–572/2–6–329/2003–04 दिनॉक 09 मार्च, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2003–2004 में निम्न दो योजनाओं हेतु निम्न तालिका के अनुसार अनुसार रू0 16.79 लाख के आगणन पर टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रू0 16.56 लाख (रूपये सोलह लाख छपन्न हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये प्रथम किस्त के रूप में रू0 6.00 लाख (रूपये छः लाख मात्र) की धनराशि को आहरित कर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है :–

(धनराशि लाख रू0 में)

क0सं0	योजना का नाम	आगणन की लागत	टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरांत आगणन की लागत	वित्तीय वर्ष 2003–04 में अवमुक्त धनराशि	निर्माण इकाई का नाम
1	2	3	4	5	6
1	खिर्सू में घडियाल मन्दिर का सौन्दर्यीकरण	6.79	6.79	3.00	खण्ड विकास अधिकारी, खिर्सू, जनपद पौड़ी
2–	भैरवगढ़ी परिसर का सौन्दर्यीकरण	10.00	9.77	3.00	ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा पौड़ी
	योग :–	16.79	16.56	6.00	

(रूपये छः लाख मात्र)

2– आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को, जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नही है अथवा बाजा भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

3– यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल यावित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय–समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4– कार्य की समयबद्धता एवं गुणवद्वता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

5– कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6– एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7– कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताऐं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चत करें।

8– कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

9– आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद से दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। स्वीकृत धनराशि के उपरान्त लागत में कोई भी पुनरीक्षण किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं होगा।

10– निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तभी उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए। व्यय करते समय टैण्डर/ कुटेशन विषयक नियमों का पालन किया जायेगा।

11– यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।

12– उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2003–2004 के अनुदान संख्या–26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक–3452–पर्यटन–80–सामान्य–आयोजनागत–104–सम्वर्द्धन तथा प्रचार–00–14–पर्यटन विकास की नई योजना–42–अन्य व्यय मानक मद के नामें डाला जायेगा।

13– उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा संख्या–3512/वि0अनु0–3/2004 दिनॉक 27 मार्च, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन0एन0 प्रसाद)
सचिव।

पु0प0सं0– 190/ प0अ0/2004– 61पर्यटन/2004, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– महालेखाकार , ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2– वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी।
3– निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
4– जिला पर्यटन विकास अधिकारी, पौड़ी।
5– श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त , उत्तरांचल शासन।
6– निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
7– वित्त अनुभाग–3।
8– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एन0एन0 प्रसाद)
सचिव।